डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस रिलीज़

भारतीय–ईरानी लेखक सम्मिलन सम्पन्न

7 जनवरी 2020, नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली और दूतावास इस्लामिक गणराज्य ईरान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आज 'भारतीय –ईरानी लेखक सम्मिलन' का आयोजन किया गया। सायं 4 बजे, साहित्य अकादेमी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की विशिष्ट अतिथि, प्रख्यात लेखिका व विदुषी नासिरा शर्मा थीं। इस्लामिक गणराज्य ईरान के सांस्कृतिक परामर्शदाता मोहम्मद अली रब्बानी ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अतिथियों का अंगवस्त्रम् से स्वागत किया। अपने स्वागत वक्तव्य में के. श्रीनिवासराव ने भारत और ईरान के सुदीर्घ सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समान आचार–विचार और संस्कृति के बिना संबंध नहीं बन सकते, और अगर बनते हैं तो उनमें स्थायित्व नहीं रहता, लेकिन भारत और ईरान के प्राचीन संबंध आज तक मधुर बने हुए हैं, यह हमारी सांस्कृतिक निकटता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि फारसी और भारतीय भाषाओं के साहित्य का एक दूसरे की भाषाओं में अनुवाद अधिक होने की आवश्यकता है।

अपने विशिष्ट वक्तव्य में हिंदी रचनाकार और फ़ारसी साहित्य की मर्मज्ञ नासिरा शर्मा ने कहा भारत के कई प्राचीन ग्रंथों का फारसी में अनुवाद उपलब्ध होने के कारण ही हम उन दुर्लभ ग्रंथों को पुनः प्राप्त कर सके। दोनों देशों की भाषाओं के संबंध का इससे पुख़्ता प्रमाण और क्या हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि फ़ारसी की बहुत सी पुस्तकों में भारत के समाज, वातावरण और संस्कृति का ज़िक्र हुआ है। मोहम्मद अली रब्बानी ने भारत और ईरान के संबंध में कहा कि प्राचीन काल से आज तक जो दोनों देशों का मजबूत और मधुर संबंध बना हुआ है, उसके पीछे संस्कृतिकर्मियों, कलाकारों, अदीबों और विद्वानों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के साहित्य को एक–दूसरे के और निकट आने की ज़रूरत है और यह काम अनुवाद के ज़रिये किया जा सकता है।

उद्घाटन सत्र के साथ ही ईरान और भारत के कवियों का काव्य–पाठ हुआ, जिसमें अली रज़ा क़ज़वे (ईरान), हादी सईदी कैसरी (ईरान), ऐन–उल हसन (भारत), इराक़ रज़ा ज़ैदी (भारत) और बलराम शुक्ल (भारत) ने अपनी मूल तथा अनूदित रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

संवाद सत्र का विषय था – 'भारतीय–ईरानी सांस्कृतिक संबंध', जिसमें अहमद अली हैदरी (ईरान), राजेंद्र कुमार (भारत), रख़्शंदा जलील (भारत) और हुसैनी पूर नीकनाम (ईरान) ने अपने सुचिंतित विचार व्यक्त किए। इस सत्र का संचालन एहसानुल्लाह शुक्रुल्लाही (ईरान) ने किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

CULTURAL EXCHANGE PROGRAMME

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

CULTURAL EXCHANGE PROGRAMME

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

ULTURAL EXCHANGE PROGRAMME